डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या (उ0प्र0)

DR. RAMMANOHAR LOHIA AVADHUNIVERSITY, AYODHYA (U.P.)

दैनिक जागरण

दिनांक: 05 मार्च, 2023 पृष्ठ संख्या: 07

गीत, संगीत व नृत्य की त्रिवेणी प्रवाहित

48 वां स्थापना दिवस में वीसी प्रो. प्रतिभा गोयल बोलीं, स्किल डेवलपमेंट पर हो रहा कार्य

अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में स्थापना दिवस के मौके पर संबोधित करतीं कुलपति प्रो .प्रतिभा गोयल ● जागरण

संसू, अयोध्या: डा. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय का 48 वां स्थापना दिवस धूमधाम से मना। सेवानिवृत्त कर्मचारी सम्मानित हुए। गीत, संगीत व नृत्य की प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल, कुलसचिव उमानाथ तथा अधिष्ठाता छात्र कल्याण अधिकारी प्रो. नीलम पाठक ने की। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत वायस इंडिया की विजेता निष्ठा शर्मा व हर्षित शर्मा के सेव वाटर, सेव लाइफ के गीत से हुई।

विद्यार्थियों के समूह ने कह दू तुम्हें, क्या चुप रहूं गीत की प्रस्तुति दी। आस्था त्रिपाठी ने सोलो नृत्य तथा छात्रों के समूह ने श्री गणेश देवा..., प्रस्तुत कर सभी की वाहवाही बटोरी। नाट्य का मंचन प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहा। समूह गायन में बचपन तो गया जवानी भी गई..., की प्रस्तुति हुई। जुबैनुद्दीन व श्रेया ने गीत तो दिवांशी सिंह ने मल्हारी नृत्य प्रस्तुत किया। कार्तिक लखवानी ने बांसुरी वादन किया। इस मौके पर कुलपति ने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय कला और ज्ञान का केंद्र है। अवध की शान का मंदिर है। 48 वर्षों में अवध विश्वविद्यालय पूरे क्षेत्र में ज्ञान का पुंज बिखेर रहा है। खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। 11 स्वर्ण पदक व बड़ी संख्या में कांस्य व रजक पदक अर्जित किए हैं। 24 शोध परियोजनाओं पर शिक्षक कार्य कर रहे हैं। बताया सात जिले में 750 महाविद्यालय के जरिए ज्ञान का दीप जला रहा है। यहां सात लाख विद्यार्थी प्रतिवर्ष शिक्षित हो रहे है। बताया कि इस वर्ष दीक्षा समारोह में करीब दो लाख उपाधियां छात्रों को दी मिलेगी। 127 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक दिए जाएंगे। कहा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति पूरी तरीके से लागू कर रहे हैं। छात्रों के लिए स्किल डेवलपमेंट पर कार्य किया जा रहा है। आने वाले समय में ज्यादा रोजगार हासिल हो सकेगा। संविदा शिक्षकों को प्रदेश सरकार ने निरंतरता दी है। उन्होंने डा. राममनोहर लोहिया को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी होने के साथ एक कुशल राजनीतिज्ञ व समाज सुधारक बताया। प्रो. नीलम पाठक ने विवि के शैक्षिक यात्रा का विवरण प्रस्तुत किया। सेवानिवृत्त कर्मचारी अरुण कुमार सिंह, रविंद्र प्रसाद, रमेश प्रसाद, सत्यदेव, रमेश श्रीवास्तव को सम्मानित किया गया। व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभागाध्यक्ष प्रो. हिमांशु शेखर सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर प्रो. चयन कुमार मिश्र, प्रो. आरके तिवारी, प्रो. जसवंत सिंह, प्रो. एसएस मिश्र, प्रो. केके वर्मा, प्रो. एसके रायजादा, प्रो. अशोक राय, प्रो. फारुख जमाल, प्रो. विनोद श्रीवास्तव, प्रो. मृदुला मिश्रा सहित अन्य मौजूद रहे।

दैनिक जागरण

दिनांक: 05 मार्च, 2023 पृष्ठ संख्या: 07

अविवि ने नए सिरे से परिभाषित प्रतिष्ठित की ज्ञान की परंपरा

नवनीत श्रीवास्तव ● अयोध्या

रामनगरी यूं तो प्राचीन काल से ही ज्ञान, विज्ञान और वैराग्य की नगरी रही है, लेकिन चार मार्च 1975 को स्थापना के साथ ही डा. राममनोहर लोहिया अवध विवि ने इसे नए सिरे से परिभाषित-प्रतिष्ठित किया। विवि के पहले कुलपति डा. सुरेंद्र सिंह थे। कुलपति होने से पहले वह अमेरिका के विसकानसिंन विवि में प्राध्यापक थे। तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमवंती नंदन बहुगुणा ने विवि की स्थापना की। विवि के पहले कुलपति का कैंप कार्यालय पहले लखनऊ में था। वह सप्ताह में दो-तीन दिन ही विवि आते थे और सर्किट हाउस में रुकते थे। विवि के पहले वित्त अधिकारी लक्ष्मीकांत श्रीवास्तव, प्रथम कुलसचिव रामसूरत, निदेशक डा. सतीशचंद्र सिन्हा व परियोजना अधिकारी के तौर पर डा. एके सिंह की नियुक्ति हुई थी। यह बात कम ही लोगों को ज्ञात होगी कि आरंभ में विवि का संचालन सिविल लाइन में जिलाधिकारी आवास के पास एक भवन में किराये पर हुआ था। इसके बाद विवि सिविल लाइन में ही अन्य स्थान पर स्थानांतरित हुआ। दूसरे कुलपति डा. एपी मेहरोत्रा के कार्यकाल में विवि का प्रशासनिक भवन बना। पहले कुलपति का कार्यकाल पांच और दूसरे वीसी का छह वर्ष का था।

शुरुआती दौर में संबद्धता प्रदायी रहे अवध विवि का आवासीय स्वरूप अब व्यापक स्वरूप ले चुका है। इसमें व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता, गणित, इतिहास, अर्थशास्त्र, बायोकमेस्ट्री, माइक्रोबायोलाजी, भौतिकी एवं इलेक्ट्रानिक, प्रौढ़ शिक्षा एवं पर्यावरण विभाग नियमित तौर पर संचालित है, जबकि अन्य पाठ्यक्रम स्ववित्त पोषित हैं। वर्ष 2000 में विवि के तकनीकी संस्थान की शुरुआत हुई। प्रथम परियोजना अधिकारी रहे डा. एके सिंह बताते हैं कि 80 के दशक में विवि वर्तमान स्थान में स्थानांतरित हुआ था।

04 मार्च 1975 को हुई थी विवि की स्थापना

1991 में विवि के नाम से जुड़ा राममनोहर लोहिया का नाम

1976 में विवि के पहले दीक्षांत समारोह का आयोजन

88 पाठ्यक्रम इस समय विवि में संचालित

छह जिलों में है कार्यक्षेत्र

डा. राममनोहर लोहिया अवध विवि का कार्यक्षेत्र छह जिलों में है। अयोध्या, अंबेडकरनगर, गोंडा, सुल्तानपुर, बाराबंकी व बहराइच जिले के छह सौ से अधिक महाविद्यालय विवि से संबद्ध हैं।

अब तक हुए 22 वीसी

डा. राममनोहर लोहिया अवध विवि को अब तक 22 कुलपति मिल चुके हैं। वर्तमान कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने गत वर्ष नवंबर माह में 22वीं कुलपति के तौर पर कार्यभार ग्रहण किया।

हिन्दुस्तान

दिनांक: 5 मार्च, 2023 पृष्ठ संख्या: 03

लोगों में श्रीराम जैसी सत्यनिष्ठा हो डॉ. लोहिया की सोच थी: प्रो. गोयल

अवध विवि

- विवि का 48वां स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया
- कुलपति ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित किया

अवध विवि के स्थापना दिवस पर सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित करतीं कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल।

अयोध्या, संवाददाता। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय कला और ज्ञान का केन्द्र है। अवध की शान का मन्दिर है। कुलपति प्रो. गोयल ने डॉ. लोहिया का स्मरण करते हुए कहा कि लोहिया स्वतंत्रता सेनानी होने के साथ एक कुशल राजनीतिज्ञ व समाज सुधारक रहे है। लोहिया जी ने कहा था कि इस देश के नागारिकों में शिव जैसा ज्ञान हो। कृष्ण जैसी कला हो। प्रभु श्रीराम जैसी सत्यता और निष्ठा हो। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के 48 वर्षों के डॉ. लोहिया के दिखाएं हुए मार्ग पर चलते हुए विश्वविद्यालय नई ऊँचाईयों पर पंहुचे।

यह बातें कुलपति प्रो. गोयल ने विश्वविद्यालय के 48वें स्थापना दिवस पर विवेकानंद प्रेक्षागृह में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि 48 वर्षों में अवध विश्वविद्यालय पूरे क्षेत्र में ज्ञान का कुंज होकर स्थापित हो चुका है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय ने कला का दीपक व ज्ञान का प्रकाश फैलाया है वहीं विज्ञान ने इस क्षेत्र को सिचिंत किया है। विश्वविद्यालय ने पिछले वर्षो में कई प्रतिमान स्थापित किए है। हमारे खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर कई कीर्तिमान स्थापित किए है। जिसमें उन्होंने 11 स्वर्ण पदक व बहुत सारे कांस्य व रजक पदक अर्जित किए है। विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा 24 शोध परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। आने वाले समय में इनकी उपब्धियां संस्थान को एक नई पहचान दिलाएंगे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय का परिक्षेत्र सात जनपदों में फैला है। इसमें करीब 750 महाविद्यालय सम्बद्ध है।

विद्यार्थियों प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोहा

अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर स्वामी विवेकानंद सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें दीक्षांत पखवारे के तहत विभिन्न प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों की विभिन्न प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत कुलपति प्रो. गोयल व कुलसचिव उमानाथ तथा अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलितकर किया।

हिन्दुस्तान

दिनांक: 5 मार्च, 2023 पृष्ठ संख्या: 04

भावनात्मक जुड़ाव के साथ बुद्धिमता का होना जरूरी

व्याख्यान

अयोध्या, संवाददाता। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के गणित एवं सांख्यिकी के विभागाध्यक्ष प्रो. एसएस मिश्र ने कहा कि मानव में भावनात्मक जुड़ाव के साथ बुद्धिमत्ता का होना बहुत जरूरी है। ऐसे व्यक्ति अच्छे इंसान माने जाते है।

उन्होंने बताया कि भावनात्मक व बुद्धिमत्ता में बुद्धि, भावना तथा आध्यात्म का सुन्दर समन्वय होना चाहिए। उन्होंने बताया कि ऐसे व्यक्ति का गणितीय चिंतन अभीष्ट स्तर का होता है। इनमें स्मरण शक्ति भी साधारण लोगों के मुकाबले ज्यादा पाई जाती है। ऐसे लोग ज्यादा बुद्धिमान और चटक दिखते हैं। यह बातें प्रो. मिश्र ने विश्वविद्यालय के 27वें दीक्षांत सप्ताह के तहत विभाग में 'रिलेशनशिप बिटवीन इमोशनल कोसेंट एवं मैथमेटिकल स्किल' विषय पर व्याख्यान की अध्यक्षता करते हुए कही।

वक्ता वरिष्ठ मनोपरामर्शदाता डॉ. आलोक मनदर्शन ने भावनात्मक एवं गणितीय मस्तिष्क के संबंध में चर्चा करते हुए बताया कि एमीकांडला ग्रंथि भावनात्मक मस्तिष्क का द्वार है। अतिथियों का विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. चयन कुमार मिश्र ने स्वागत किया। संचालन डॉ. अभिषेक सिंह व प्रो. एसके रायजादा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान डॉ. पीके द्विवेदी, डॉ. संदीप रावत, शलिनी मिश्रा, अनामिका पाठक स्व अन्य मौजूद रहीं।

अमर उजाला माईसिटी

दिनांक: 05 मार्च, 2023 पृष्ठ संख्या: 03

कला और ज्ञान का केंद्र है अवध विश्वविद्यालय

संवाद न्यूज एजेंसी

अवध विश्वविद्यालय के विवेकानंद सभागार में स्थापना दिवस पर शनिवार को कार्यक्रम की प्रस्तुति देते कलाकार। -संवाद

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय का 48 वां स्थापना दिवस शनिवार को स्वामी विवेकानंद सभागार में धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित किया।

वॉयस इंडिया की विजेता निष्ठा शर्मा व हर्षित शर्मा ने सेव वाटर सेव लाइफ गीत प्रस्तुत किया। इसी तरह कई सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय कला और ज्ञान का केंद्र है। अवध की शान का मंदिर है। 48 वर्षों में हमारे खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं। 24 शोध परियोजनाएं चल रही हैं।

कुलपति ने कहा कि इस वर्ष दीक्षांत समारोह में करीब दो लाख उपाधियां छात्रों को दी जाएंगी। इसके अतिरिक्त विभिन्न विषयों के सर्वोच्च अंक प्राप्त 127 छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे। बताया कि छात्रों के लिए स्किल डेवलपमेंट पर कार्य किया जा रहा है।

कार्यक्रम में सेवानिवृत्त कर्मचारियों अरूण कुमार सिंह, रविंद्र प्रसाद, रमेश प्रसाद, सत्यदेव, रमेश श्रीवास्तव को सम्मानित किया गया। इस मौके पर व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभागाध्यक्ष प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, प्रो. चयन कुमार मिश्र, प्रो. आरके तिवारी, प्रो. जसवंत सिंह, प्रो. एसएस मिश्र आदि मौजूद रहे।

अमृत विचार

दिनांक: 05 मार्च, 2023 पृष्ठ संख्या: 02

48 वर्ष का हुआ अवध की शान का मंदिर

धूमधाम से मनाया गया डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विवि का स्थापना दिवस, सेवानिवृत्त कर्मी सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, अयोध्या

अमृत विचार: डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय का 48 वां स्थापना दिवस धूम-धाम के साथ मनाया गया। अवध की शान का यह मंदिर ज्ञान का कुंज होकर स्थापित हो चुका है। शनिवार को विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के मौके पर स्वामी विवेकानंद सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल, कुलसचिव उमानाथ और अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक ने की। सर्वप्रथम वॉयस ऑफ इंडिया की विजेता निष्ठा शर्मा व हर्षित शर्मा ने सेव वाटर सेव लाइफ के गीत गाकर दर्शकों को गुनगुनाने पर मजबूर किया। छात्र-छात्राओं द्वारा कह दू तुम्हें, या चुप रहूँ गीत ने श्रोताओं को मदमस्त कर दिया। आस्था त्रिपाठी द्वारा सोलो नृत्य की मनोहारी प्रस्तुति दी गई। छात्रों द्वारा श्री गणेश देवा... भक्ति गीत गाकर दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। नाट्य प्रस्तुति छात्र-छात्राओं सधे अभिनय द्वारा किया गया। समूह गायन भी छात्रों द्वारा प्रस्तुत किया गया। जुबैनूदीन व श्रेया द्वारा गीत प्रस्तृत की गई। दियांशी सिंह ने मल्हारी नृत्य प्रस्तुत किया। बाँसुरी वादन में कार्तिक लखवानी ने सुरीली तान से मंत्रमुग्ध कर दिया।

कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय ने कला का दीपक व ज्ञान का प्रकाश फैलाया है। विश्वविद्यालय ने पिछले वर्षों में कई प्रतिमान स्थापित किए हैं। हमारे खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर कई कीर्तिमान स्थापित किए। शिक्षकों द्वारा 24 शोध परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। कुलपति ने छात्र-छात्राओं से कहा कि आपके शिक्षकों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। डॉ. राममनोहर लोहिया को स्मरण करते हुए कहा कि लोहिया स्वतंत्रता सेनानी होने के साथ एक कुशल राजनीतिज्ञ व समाज सुधारक रहे हैं।

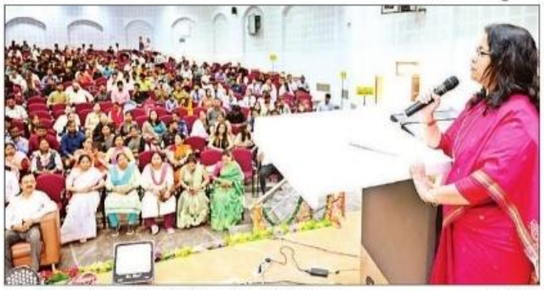

स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करती कुलपति प्रतिभा गोयल। अमृत विचार

इस बार दीक्षांत समारोह में दी जाएंगी दो लाख उपाधियां

विश्वविद्यालय का परिक्षेत्र सात जनपदों में फैला है। इसमें करीब 750 महाविद्यालय सम्बद्ध है। करीब 7 लाख विद्यार्थी प्रतिवर्ष शिक्षित हो रहे हैं। कुलपति प्रो. गोयल ने बताया कि इस वर्ष दीक्षांत समारोह में करीब दो लाख उपाधियां छात्रों को दी जाएंगी। इसके अतिरिक्त विभिन्न विषयों के सर्वोच्च अंक प्राप्त 127 छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान किए जायेंगे।

अवध विवि में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं छात्राएं।

अफसरों के न पहुंचने से भड़के

अफसरों के छूटे पसीने, करते रहे

अयोध्या-लखनऊ हाईवे पर भिड़े तीन वाहन, दो घायल

पायनियर

दिनांक: 05 मार्च, 2023 **पृष्ठ संख्या: 07**

पायनियर
लखनऊ, रविवार, 5 मार्च 2023

अवध विश्वविद्यालय का 48 वां स्थापना दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया

नागरिकों में श्रीराम जैसी सत्यता व निष्ठा हो: कुलपति

संवाददाता। अयोध्या

डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय का 48 वां स्थापना दिवस धूम.धाम के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के कुशल नेतृत्व में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत कुलपति व कुलसचिव उमानाथ तथा अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो0 नीलम पाठक द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित के साथ किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम सर्वप्रथम वॉयस इंडिया की विजेता निष्ठा शर्मा व हर्षित शर्मा ने सेव वाटर सेव लाइफ के गीत ने दर्शकों गुनगुनाने को मजबूर किया। वहीं छात्र.छात्राओं द्वारा कह दू तुम्हें, क्या चूप रहूँ गीत ने श्रोताओं को मदमस्त कर दिया। इसी क्रम में आस्था त्रिपाठी द्वारा सोलो नृत्य का मनोहारी प्रस्तुति दी गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्रों द्वारा श्री गणेश देवाण्ण्ण् भक्ति गीत गाकर दर्शकों को भाव.विभोर कर दिया। नाट्य प्रस्तुति छात्र.छात्राओं सधे अभिनय द्वारा किया गया। समूह गायन भी छात्रों द्वारा प्रस्तुत किया गया। जिसमें बचपन तो गया जवानी भी गई। वहीं जुबैनूदीन व श्रेया द्वारा गीत प्रस्तृत की गई। नृत्य के अगले क्रम में दिवांशी सिंह ने मल्हारी नृत्य प्रस्तृत किया। बॉसुरी वादन में कार्तिक लखवानी ने सुरीली तान से मंत्रमुग्ध कर दिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय कला और ज्ञान का केन्द्र है। अवध की शान का मन्दिर है। 48 वर्षों में अवध

● विवि के स्थापना दिवस पर सेवानिवृत्त कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

विश्वविद्यालय पूरे क्षेत्र में ज्ञान का कुँज होकर स्थापित हो चुका है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय ने कला का दीपक व ज्ञान का प्रकाश फैलाया है वहीं विज्ञान ने इस क्षेत्र को सिचिंत किया है। विश्वविद्यालय ने पिछले वर्षो में कई प्रतिमान स्थापित किए है। हमारे खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर कई कीर्तिमान स्थापित किए है जिसमें उन्होंने 11 स्वर्ण पदक व बहुत सारे कांस्य व रजक पदक अर्जित किए है।

विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा 24 शोध परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। आने वाले समय में इनकी उपब्धियां संस्थान को एक नई पहचान दिलायेंगी। कुलपति ने बताया कि अपना विश्वविद्यालय एक विशाल विश्वविद्यालय है। इसका परिक्षेत्र सात जनपदों में फैला है। इसमें करीब 750 महाविद्यालय सम्बद्ध है। करीब 7 लाख विद्यार्थी प्रतिवर्ष शिक्षित हो रहे है। कुलपति प्रो0 गोयल ने बताया कि इस वर्ष दीक्षांत समारोह में करीब दो लाख उपाधियां छात्रों को दी जायेगी। इसके अतिरिक्त विभिन्न विषयों के सर्वोच्च अंक प्राप्त 127 छात्र.छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान किए जायेंगे। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय पठन.पाठन के क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करने साथ.साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति पूर्णतः लागू करने की ओर अग्रसर है। छात्रों के लिए स्किल डेवलपमेंट पर कार्य किया जा रहा है। टूरिष्ट गाइड का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त इत्र के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। इससे आने वाले समय में विद्यार्थियों ज्यादा से ज्यादा रोजगार मिल सकेगा। कुलपति प्रो0 गोयल ने शिक्षकों को बधाई देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के संविदा शिक्षकों का प्रदेश सरकार के शासनादेश अनुरूप निरन्तरता प्रदान की गई है। कार्यक्रम में कुलपति ने छात्र.छात्राओं से कहा कि आपके शिक्षकों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है।

इन्हें प्रेरित करने के लिए छात्रों को भी आगे आना होगा। इसके लिए विद्यार्थी अधिक से अधिक ज्ञान अर्जित करें और लगन के साथ पढ़ाई करते हुए शिक्षकों के प्रेरणादायक बने। कुलपति प्रो. गोयल ने डॉ0 राममनोहर लोहिया को स्मरण करते हुए कहा कि लोहिया स्वतंत्रता सेनानी होने के साथ एक कुशल राजनीतिज्ञ व समाज सुधारक रहे है। लोहिया जी ने कहा था कि इस देश के नागारिकों को कैसा हो चाहिए उन्होंने कहा कि उनमें शिव जैसा ज्ञान हो। कृष्ण जैसी कला हो। प्रभु श्रीराम जैसी सत्यता और निष्ठा हो।

विश्वविद्यालय के 48 वर्षों के डॉ0 लोहिया के दिखाएं हुए मार्ग पर चलते हुए विश्वविद्यालय नई ऊँचाईयों पर जाये। कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र.कल्याण प्रो. नीलम पाठक ने विश्वविद्यालय के 48 वर्षों की शैक्षिक यात्रा का विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो0 गोयल द्वारा विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों सम्मानित किया गया। जिसमें अरूण कुमार सिंह, रविन्द्र प्रसाद, रमेश प्रसाद, सत्यदेव, रमेश श्रीवास्तव को स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्रम, मानस ग्रन्थ व पुष्प भेटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभागाध्यक्ष प्रो0 हिमांशु शेखर सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो0 चयन कुमार मिश्र, प्रो0 आरके तिवारी, प्रो0 जसवंत सिंह, प्रो0 एसएस मिश्र, प्रो0 के0के0 वर्मा, प्रो0 एसके रायजादा, प्रो0 अशोक राय, प्रो0 फारूख जमाल, प्रो0 विनोद श्रीवास्तव, प्रो0 अनूप कुमार, प्रो0 गंगा राम मिश्रा, प्रो0 मृदुला मिश्रा, प्रो0 शैलेन्द्र वर्मा, प्रो0 शैलेन्द्र कुमार, प्रो0 सिद्धार्थ शुक्ला, सहायक कुलसचिव डॉ0 रीमा श्रीवास्तव, सहायक कुलसचिव मो0 सहील, प्रो0 रमापति मिश्रा, डॉ0 पीके द्विवेदी, डॉ0 अवध बिहार सिंह, डॉ0 राजेश सिंह, डॉ0 सुरेन्द्र मिश्र, डॉ0 दिवाकर त्रिपाठी, डॉ0 अनिल कुमार, डॉ0 अभिषेक सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

स्वतंत्र भारत

दिनांक: 05 मार्च, 2023 पृष्ठ संख्या: 09

धूमधाम से मनाया गया अवध विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस

कुलपति बोलीं-दीक्षान्त समारोह में 127 छात्र-छात्राओं को दिया जायेगा स्वर्ण पदक और दो लाख विद्यार्थियों को उपाधियां

स्वतंत्र भारत ब्यूरो (अयोध्या) डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय का 48 वां स्थापना दिवस धूम-धाम के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के कुशल नेतृत्व में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत कुलपति व कुलसचिव उमानाथ तथा अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो0 नीलम पाठक द्वारा मॉं सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित के साथ किया। हमारे खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर कई कीर्तिमान स्थापित किए है जिसमें उन्होंने 11 स्वर्ण पदक व बहुत सारे कांस्य व रजक पदक अर्जित किए है। विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा 24 शोध परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। आने वाले समय में इनकी उपब्धियां संस्थान को एक नई पहचान दिलायेंगी। कुलपति ने बताया कि अपना विश्वविद्यालय एक विशाल विश्वविद्यालय है। इसका परिक्षेत्र सात जनपदों में फैला है। इसमें करीब 750 महाविद्यालय सम्बद्ध है। करीब 7 लाख विद्यार्थी प्रतिवर्ष शिक्षित हो रहे है।

कुलपति प्रो0 गोयल ने बताया कि इस वर्ष दीक्षांत समारोह में करीब दो लाख उपाधियां छात्रों को दी जायेगी। इसके अतिरिक्त विभिन्न विषयों के सर्वोच्च अंक प्राप्त 127 छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान किए जायेंगे। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय पठन-पाठन के क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करने साथ-साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति पूर्णतः लागू करने की ओर अग्रसर है। छात्रों के लिए स्किल डेवलपमेंट पर कार्य किया जा रहा है। टूरिस्ट गाइड का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त इत्र के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। इससे आने वाले समय में विद्यार्थियों ज्यादा से ज्यादा रोजगार मिल सकेगा। कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र-कल्याण प्रो0 नीलम पाठक ने विश्वविद्यालय के 48 वर्षों की शैक्षिक यात्रा का विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो0 गोयल द्वारा विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों सम्मानित किया गया। जिसमें अरूण कुमार सिंह, रविन्द्र प्रसाद, रमेश प्रसाद, सत्यदेव, रमेश श्रीवास्तव को स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्रम, मानस ग्रन्थ व पुष्प भेटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभागाध्यक्ष प्रो0 हिमांशु शेखर सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो0 चयन कुमार मिश्र, प्रो0 आरके तिवारी, प्रो0 जसवंत सिंह, प्रो0 एसएस मिश्र, प्रो0 के0के0 वर्मा, प्रो0 एसके रायजादा, प्रो0 अशोक राय, प्रो0 फारूख जमाल, प्रो0 विनोद श्रीवास्तव, प्रो0 अनूप कुमार, प्रो0 गंगा राम मिश्रा, प्रो0 मृदुला मिश्रा, प्रो0 शैलेन्द्र वर्मा, प्रो0 शैलेन्द्र कुमार, प्रो0 सिद्धार्थ शुक्ला, सहायक कुलसचिव डॉ0 रीमा श्रीवास्तव, सहायक कुलसचिव मो0 सहील, प्रो. रमापति मिश्रा, डॉ0 पीके द्विवेदी, डॉ0 अवध बिहार सिंह, डॉ0 राजेश सिंह, डॉ0 सुरेन्द्र मिश्र, डॉ0 दिवाकर त्रिपाठी, डॉ0 अनिल कुमार, डॉ0 अभिषेक सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

कुटुंब जागरण

दिनांक: 05 मार्च, 2023 पृष्ठ संख्या: 04

अयोध्या/बाराबंकी

अवध विश्वविद्यालय का 48 वां स्थापना दिवस धूम-धाम के साथ मनाया गया

नागरिकों में श्रीराम जैसी सत्यता व निष्ठा हो: कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल

कुटुंब जागरण ब्यूरो,

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय का 48 वां स्थापना दिवस धूम-धाम के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के कुशल नेतृत्व में सांकतिक कार्यक्रम एवं विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत कुलपति व कुलसचिव उमानाथ तथा अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो0 नीलम पाठक द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित के साथ किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम सर्वप्रथम वॉयस इंडिया की विजेता निष्ठा शर्मा व हर्षित शर्मा ने सेव वाटर सेव लाइफ के गीत ने दर्शकों गुनगुनाने को मजबूर किया। वहीं छात्र-छात्राओं द्वारा कह दू तुम्हें, क्या चूप रहूँ गीत ने श्रोताओं को मदमस्त कर दिया। इसी क्रम में आस्था त्रिपाठी द्वारा सोलो नृत्य का मनोहारी प्रस्तुति दी गई। सांस् तिक कार्यक्रम में छात्रों द्वारा श्री गणेश देवा... भक्ति गीत गाकर दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। नाट्य प्रस्तुति छात्र-छात्राओं सधे अभिनय द्वारा किया गया। समूह गायन भी छात्रों द्वारा प्रस्तुत किया गया। जिसमें बचपन तो गया जवानी भी गई। वहीं जुबैनूदीन व श्रेया द्वारा गीत प्रस्तुत की गई। नृत्य के अगले क्रम में दिवांशी सिंह ने मल्हारी नृत्य प्रस्तुत किया। बाँसुरी वादन में कार्तिक लखवानी ने सुरीली तान से मंत्रमुग्ध कर दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय कला और ज्ञान का केन्द्र है। अवध की शान का मन्दिर है। 48 वर्षो में अवध विश्वविद्यालय पूरे क्षेत्र में ज्ञान का कुंज होकर स्थापित हो चुका है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय ने कला का दीपक व ज्ञान का प्रकाश फैलाया है वहीं विज्ञान ने इस क्षेत्र को सिचिंत किया है। विश्वविद्यालय ने पिछले वर्षो में कई प्रतिमान स्थापित किए है। हमारे खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर कई कीर्तिमान स्थापित किए है जिसमें उन्होंने 11 स्वर्ण पदक व बहुत सारे कांस्य व रजक पदक अर्जित किए है। विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा 24 शोध परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। आने वाले समय में इनकी उपब्धियां संस्थान को एक नई पहचान दिलायेंगी। कुलपति ने बताया कि अपना विश्वविद्यालय एक विशाल विश्वविद्यालय है। इसका परिक्षेत्र सात जनपदों में फैला है। इसमें करीब 750 महाविद्यालय सम्बद्ध है। करीब 7 लाख विद्यार्थी प्रतिवर्ष शिक्षित हो रहे है। कुलपति प्रो0 गोयल ने बताया कि इस वर्ष दीक्षांत समारोह में करीब दो लाख उपाधियां छात्रों को दी जायेगी। इसके अतिरिक्त विभिन्न विषयों में सर्वोच्च अंक प्राप्त 127 छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान किए जायेंगे। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय पठन-पाठन के क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करने साथ-साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति पूर्णतः लागू करने की ओर अग्रसर है। छात्रों के लिए स्किल डेवलपमेंट पर कार्य किया जा रहा है। टूरिष्ट गाइड का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त इत्र के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। इससे आने वाले समय में विद्यार्थियों ज्यादा से ज्यादा रोजगार मिल सकेगा। कुलपति प्रो0 गोयल ने शिक्षकों को बधाई देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के संविदा शिक्षकों का प्रदेश सरकार के शासनादेश अनुरूप निरन्तरता प्रदान की गई है। कार्यक्रम में कुलपति ने छात्र-छात्राओं से कहा कि आपके शिक्षकों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। इन्हें प्रेरित करने के लिए छात्रों को भी आगे आना होगा। इसके लिए विद्यार्थी अधिक से अधिक ज्ञान अर्जित करें और लगन के साथ पढ़ाई करते हुए शिक्षकों के प्रेरणादायक बने। कुलपति प्रो0 गोयल ने डॉ0 राममनोहर लोहिया को स्मरण करते हुए कहा कि लोहिया स्वतंत्रता सेनानी होने के साथ एक कुशल राजनीतिज्ञ व समाज सुधारक रहे है। लोहिया जी ने कहा था कि इस देश के नागारिकों को कैसा हो चाहिए? उन्होंने कहा कि उनमें शिव जैसा ज्ञान हो। कृष्ण जैसी कला हो। प्रभु श्रीराम जैसी सत्यता और निष्ठा हो। विश्वविद्यालय के 48 वर्षो के डॉ0 लोहिया के दिखाएं हुए मार्ग पर चलते हुए विश्वविद्यालय नई ऊँचाईयों पर जाये।

कुटुंब जागरण

दिनांक: 05 मार्च, 2023 पृष्ठ संख्या: 01

भावनात्मक जुड़ाव के साथ बुधिमत्ता का होना जरूरी: प्रो0 एसएस मिश्र

- विवि के गणित एवं सांख्यिकी विभाग में व्याख्यान का आयोजन

कुटुंब जागरण ब्यूरो

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 27 वें दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में दीक्षांत सप्ताह के तहत गणित एवं सांख्यिकी विभाग में "रिलेशनशिप बिटवीन इमोशनल कोसेंट एवं मैथमेटिकल स्किल" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष प्रो0 एसएस मिश्र ने कहा कि मानव में भावनात्मक जुड़ाव के साथ बुधिमत्ता का होना बहुत जरूरी है। ऐसे व्यक्ति अच्छे इंसान माने जाते है। उन्होंने बताया कि भावनात्मक व बुद्धिमत्ता में बुद्धि, भावना तथा आध्यात्म का सुन्दर समन्वय होना चाहिए। उन्होंने बताया कि ऐसे व्यक्ति का गणितीय चिंतन अभीष्ट स्तर का होता है। इनमें स्मरण शक्ति भी साधारण लोगो के मुकाबले ज्यादा पाई जाती है।कार्यक्रम में बतौर वक्ता वरिष्ठ मनोपरामर्शदाता डा0 आलोक मनदर्शन ने भावनात्मक एवं गणितीय मस्तिष्क के संबंध में चर्चा करते हुए बताया कि एमीकांडला ग्रंथि भावनात्मक मस्तिष्क का द्वार है। मनुष्य का मस्तिष्क दो हिस्सों में बटा होता है। भावनात्मक एवं गणितीय बाएं और दाहिने भाग में क्रमशः स्थित है। उन्होंने बताया कि शरीर की सबसे मजबूत मांसपेशी हृदय है जिसका जुड़ाव भावनात्मक है। डा0 मनदर्शन ने भावनात्मक बुद्धि के पांचों अवयवों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गणितीय मस्तिष्क को हमेशा भावनात्मक मस्तिष्क की जरूरत पड़ती है। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो0 चयन कुमार मिश्र द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 अभिषेक सिंह ने किया। अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन प्रो0 एसके रायजादा द्वारा किया गया। इस अवसर पर डा. पीके द्विवेदी, डा. संदीप रावत, शलिनी मिश्रा, अनामिका पाठक सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रही।

स्वतंत्र चेतना

दिनांक: 05 मार्च, 2023 पृष्ठ संख्या: 03

अविवि में धूम-धाम से मनाया गया स्थापना दिवस

कार्यक्रम

लोगों में श्रीराम जैसी सत्य निष्ठा हो : कुलपति प्रो0 प्रतिभा

स्वतंत्र चेतना, अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय का 48 वां स्थापना दिवस धूम-धाम के साथ मनाया गया। विवि के स्वामी विवेकानंद सभागार में कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के कुशल नेतृत्व में सांसतिक कार्यक्रम एवं विवि के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। सांसतिक कार्यक्रम की शुरूआत कुलपति व कुलसचिव उमानाथ तथा अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो0 नीलम पाठक द्वारा मॉं सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित के साथ किया। सांसतिक कार्यक्रम सर्वप्रथम वॉयस इंडिया की विजेता निष्ठा शर्मा व हर्षित शर्मा ने सेव वाटर सेव लाइफ के गीत ने दर्शकों गुनगुनाने को मजबूर किया। वहीं छात्र-छात्राओं द्वारा कह दू तुम्हें, क्या चूप रहूँ गीत ने श्रोताओं को मदमस्त कर दिया। इसी क्रम में आस्था त्रिपाठी द्वारा सोलो नृत्य का मनोहारी प्रस्तुति दी गई। सांसतिक कार्यक्रम में छात्रों द्वारा श्री गणेश देवा.. भक्ति गीत गाकर दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। **कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल**

ने कहा कि हमारा विवि कला और ज्ञान का केन्द्र है। अवध की शान का मन्दिर है। 48 वर्षों में अवध विवि पूरे क्षेत्र में ज्ञान का कुॅज होकर स्थापित हो चुका है। कुलपति ने डॉ0 राममनोहर लोहिया को स्मरण करते हुए कहा कि लोहिया स्वतंत्रता सेनानी होने के साथ एक कुशल राजनीतिज्ञ व समाज सुधारक रहे है। लोहिया जी ने कहा था कि इस देश के नागारिकों को कैसा हो चाहिए ? उन्होंने कहा कि उनमें शिव जैसा ज्ञान हो। अधिष्ठाता छात्र-कल्याण प्रो0 नीलम पाठक ने विवि के 48 वर्षों की शैक्षिक यात्रा का विवरण प्रस्तुत किया। कुलपति द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारियों सम्मानित किया गया। जिसमें अरूण कुमार सिंह, रविन्द्र प्रसाद, रमेश प्रसाद, सत्यदेव, रमेश श्रीवास्तव को स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्रम, मानस ग्रन्थ व पुष्प भेटकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रो0 हिमांशु शेखर सिंह, प्रो0 चयन कुमार मिश्र, प्रो0 आरके तिवारी, प्रो0 जसवंत सिंह, प्रो0 एसएस मिश्र, प्रो0 केके वर्मा, प्रो0 एसके रायजादा, प्रो0 अशोक राय, प्रो0 फारूख जमाल, प्रो0 विनोद श्रीवास्तव, प्रो0 अनूप कुमार, प्रो0 गंगा राम मिश्रा, प्रो0 मृदुला मिश्रा, प्रो0 शैलेन्द्र वर्मा, प्रो0 शैलेन्द्र कुमार, प्रो0 सिद्धार्थ शुक्ला, सहायक कुलसचिव डॉ0 रीमा श्रीवास्तव, सहायक कुलसचिव मो0 सहील, प्रो. रमापति मिश्रा, डॉ0 पीके द्विवेदी, डॉ0 अवध बिहार सिंह, डॉ0 राजेश सिंह, डॉ0 सुरेन्द्र मिश्र, डॉ0 दिवाकर त्रिपाठी, डॉ0 अनिल कुमार, डॉ0 अभिषेक सिंह आदि शामिल रहे।

अविवि में नृत्य कार्यक्रम का आयोजन

अवध विवि के 27वें दीक्षांत को लेकर चल रहे दीक्षांत पखवारा के तहत विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राओं द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया। फर्मेसी विभाग की छात्रा ने गणेश वंदना से कार्यक्रम की शुरूआत की। उसने महाभारत संवाद पर नृत्य कर श्रोताओं का मन मोह लिया। एमबीए की दिव्यांशी ने ढोल तारा व घर मोरे परदेशिया पर नृत्य करके सबको झूमने पर मजबूर कर दिया। आईईटी के छात्रों ने ग्रुप गायन में ऐसा देश है मेरा. देशभक्ति गीत गाकर श्रोताओं में देशभक्ति का जज्बा भर दिया। सरदार पटेल विभाग के छात्रों ने ग्रुप डांस के द्वारा समाज में बालिकाओं के प्रति कुरीतियों को प्रदर्शित किया। एकल नृत्य प्रतियोगिता में 17 प्रतिभागी एवं समूह नृत्य दो और समूह गीत में 05 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के निर्णायक ड0 वंदिता पांडेय, ड0 मनीष सिंह, ड0 कविता पाठक रही। मौके पर कार्यक्रम में संयोजक प्रो0 हिमांशु शेखर सिंह ने बताया कि विवि में छात्र-छात्राओं में प्रतिभा की कोई कमी नही है। पढाई के साथ मौका मिलने पर सभी प्रतियोगिताओं में भाग लेते रहे हैं जिससे व्यक्तित्व का विकास होगा। इस कार्यक्रम में ड0 निमिष मिश्रा ड0 राकेश कुमार, ड0 दीपा सिंह, ड0 प्रियंका श्रीवास्तव, ड0 कविता श्रीवास्तव, ड0 आशीष पटेल, ड0 हर्षवर्धन, ड0 श्रीष अस्थाना, ड0 अंशुमान पाठक, अनुराग सिंह मौजूद रहे।

शांतिमोर्चा

दिनांक: 05 मार्च, 2023 पृष्ठ संख्या: 03

राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय का 48 वां स्थापना दिवस धूम–धाम के साथ सम्पन्न

देश के नागारिकों में शिव जैसा ज्ञान ,कृष्ण जैसी कला व प्रभु श्रीराम जैसी सत्यता और निष्ठा होनी चाहिए : कुलपति

(शान्तिमोर्चा संवाद)

अयोध्या , 04 मार्च। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय का 48 वां स्थापना दिवस धूम–धाम के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के कुशल नेतृत्व में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत कुलपति व कुलसचिव उमानाथ तथा अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो0 नीलम पाठक द्वारा मॉं सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित के साथ किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम सर्वप्रथम वॉयस इंडिया की विजेता निष्ठा शर्मा व हर्षित शर्मा ने सेव वाटर सेव लाइफ के गीत ने दर्शकों गुनगुनाने को मजबूर किया।वहीं छात्र–छात्राओं द्वारा कह दू तुम्हें, क्या चूप रहूँ गीत ने श्रोताओं को मदमस्त कर दिया।इसी क्रम में आस्था त्रिपाठी द्वारा सोलो नृत्य का मनोहारी प्रस्तुति दी गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्रों द्वारा श्री गणेश देवा... भक्ति गीत गाकर दर्शकों को भाव–विभोर कर दिया।नाट्य प्रस्तुति छात्र–छात्राओं सधे अभिनय द्वारा किया गया।समूह गायन भी छात्रों द्वारा प्रस्तुत किया गया। जिसमें बचपन तो गया

विवि के स्थापना दिवस पर सेवानिवृत्त कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

जवानी भी गई। वहीं जुबैनूदीन व श्रेया द्वारा गीत प्रस्तृत की गई। नृत्य के अगले क्रम में दिवांशी सिंह ने मल्हारी नृत्य प्रस्तृत किया। बॉसुरी वादन में कार्तिक लखवानी ने सुरीली तान से मंत्रमुग्ध कर दिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय कला और ज्ञान का केन्द्र है। अवध की शान का मन्दिर है। 48 वर्षों में अवध विश्वविद्यालय पूरे क्षेत्र में ज्ञान का कुॅज होकर स्थापित हो चुका है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय ने कला का दीपक व ज्ञान का प्रकाश फैलाया है वहीं विज्ञान ने इस क्षेत्र को सिचिंत किया है। विश्वविद्यालय ने पिछले वर्षो में कई प्रतिमान स्थापित किए है। हमारे खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर कई कीर्तिमान स्थापित किए है जिसमें उन्होंने 11 स्वर्ण पदक य बहुत सारे कांस्य व रजक पदक अर्जित किए है। विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा 24 शोध परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। आने वाले समय में इनकी उपब्धियां संस्थान को एक नई पहचान दिलायेंगी। कुलपति ने बताया कि अपना विश्वविद्यालय एक विशाल विश्वविद्यालय है। इसका परिक्षेत्र सात जनपदों में फैला है। इसमें करीब 750 महाविद्यालय सम्बद्ध है। करीब 7 लाख विद्यार्थी प्रतिवर्ष शिक्षित हो रहे है। कुलपति प्रो0 गोयल ने बताया कि इस वर्ष दीक्षांत समारोह में करीब दो लाख उपाधियां छात्रों को दी जायेगी। इसके अतिरिक्त विभिन्न विषयों के सर्वोच्च अंक प्राप्त 127 छात्र–छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान किए जायेंगे। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय पठन–पाठन के क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करने साथ–साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति पूर्णतः लागू करने की ओर अग्रसर है। छात्रों के लिए स्किल डेवलपमेंट पर कार्य किया जा रहा है। टूरिष्ट गाइड का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त इत्र के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। इससे आने वाले समय में विद्यार्थियों ज्यादा से ज्यादा रोजगार मिल सकेगा। कुलपति प्रो0 गोयल ने शिक्षकों को बधाई देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के संविदा शिक्षकों का प्रदेश सरकार के शासनादेश अनुरूप निरन्तरता प्रदान की गई है। कार्यक्रम में कुलपति ने छात्र–छात्राओं से कहा कि आपके शिक्षकों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। इन्हें प्रेरित करने के लिए छात्रों को भी आगे आना होगा। इसके लिए विद्यार्थी अधिक से अधिक ज्ञान अर्जित करें और लगन के साथ पढ़ाई करते हुए शिक्षकों के प्रेरणादायक बने। कुलपति प्रो0 गोयल ने डॉ0 राममनोहर लोहिया को स्मरण करते हुए कहा कि लोहिया स्वतंत्रता सेनानी होने के साथ एक कुशल राजनीतिज्ञ व समाज सुधारक रहे है। लोहिया जी ने कहा था कि इस देश के नागारिकों को कैसा हो चाहिए? उन्होंने कहा कि उनमें शिव जैसा ज्ञान हो। कृष्ण जैसी कला हो। प्रभु श्रीराम जैसी सत्यता और निष्ठा हो। विश्वविद्यालय के 48 वर्षों के डॉ0 लोहिया के दिखाएं हुए मार्ग पर चलते हुए विश्वविद्यालय नई ऊँचाईयों पर जाये।

कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र–कल्याण प्रो0 नीलम पाठक ने विश्वविद्यालय के 48 वर्षों की शैक्षिक यात्रा का विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो0 गोयल द्वारा विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों सम्मानित किया गया। जिसमें अरूण कुमार सिंह, रविन्द्र प्रसाद, रमेश प्रसाद, सत्यदेव, रमेश श्रीवास्तव को स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्रम, मानस ग्रन्थ व पुष्प भेटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभागाध्यक्ष प्रो0 हिमांशु शेखर सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो0 चयन कुमार मिश्र, प्रो0 आरके तिवारी, प्रो0 जसवंत सिंह, प्रो0 एसएस मिश्र, प्रो0 के0के0 वर्मा, प्रो0 एसके रायजादा, प्रो0 अशोक राय, प्रो0 फारूख जमाल, प्रो0 विनोद श्रीवास्तव, प्रो0 अनूप कुमार, प्रो0 गंगा राम मिश्रा, प्रो0 मृदुला मिश्रा, प्रो0 शैलेन्द्र वर्मा, प्रो0 शैलेन्द्र कुमार, प्रो0 सिद्धार्थ शुक्ला, सहायक कुलसचिव डॉ0 रीमा श्रीवास्तव, सहायक कुलसचिव मो0 सहील, प्रो. रमापति मिश्रा, सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

अवध कमेंट वीक

दिनांक: 05 मार्च, 2023 पृष्ठ संख्या: 03

धूमधाम से मनाया गया अवध विश्वविद्यालय का 48वां स्थापना

नागरिकों में श्रीराम जैसी सत्यता व निष्ठा हो : कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल

विवि के स्थापना दिवस पर सेवानिवृत कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

अवध कमेंट वीक

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय का 48 वां स्थापना दिवस धूम-धाम के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के कुशल नेतृत्व में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत कुलपति व कुलसचिव उमानाथ तथा अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो0 नीलम पाठक द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित के साथ किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम सर्वप्रथम वॉयस इंडिया की विजेता निष्ठा शर्मा व हर्षित शर्मा ने सेव वाटर सेव लाइफ के गीत ने दर्शकों गुनगुनाने को मजबूर किया।

वहीं छात्र-छात्राओं द्वारा कह दू तुम्हें, क्या चूप रहूं गीत ने श्रोताओं को मदमस्त कर दिया। इसी क्रम में आस्था त्रिपाठी द्वारा सोलो नृत्य का मनोहारी प्रस्तुति दी गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्रों द्वारा श्री गणेश देवा... भक्ति गीत गाकर दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। नाट्य प्रस्तुति छात्र-छात्राओं सधे अभिनय द्वारा किया गया। समूह गायन भी छात्रों द्वारा प्रस्तुत किया गया। जिसमें बचपन तो गया जवानी भी गई। वहीं जुबैनूदीन व श्रेया द्वारा गीत प्रस्तृत की गई। नृत्य के अगले क्रम में दिवांशी सिंह ने मल्हारी नृत्य प्रस्तुत किया। बॉसुरी वादन में कार्तिक लखवानी ने सुरीली तान से मंत्रमुग्ध कर दिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय कला और ज्ञान का केन्द्र है। अवध की शान का मन्दिर है। 48 वर्षों में अवध विश्वविद्यालय पूरे क्षेत्र में ज्ञान का कुंज होकर स्थापित हो चुका है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय ने कला का दीपक व ज्ञान का प्रकाश फैलाया है वहीं विज्ञान ने इस क्षेत्र को सिचिंत किया है। विश्वविद्यालय ने पिछले वर्षों में कई प्रतिमान स्थापित किए है।

हमारे खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर कई कीर्तिमान स्थापित किए है जिसमें उन्होंने 11 स्वर्ण पदक व बहुत सारे कांस्य व रजक पदक अर्जित किए है। विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा 24 शोध परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। आने वाले समय में इनकी उपब्धियां संस्थान को एक नई पहचान दिलायेंगी। कुलपति ने बताया कि अपना विश्वविद्यालय एक विशाल विश्वविद्यालय है। इसका परिक्षेत्र सात जनपदों में फैला है। इसमें करीब 750 महाविद्यालय सम्बद्ध है। करीब 7 लाख विद्यार्थी प्रतिवर्ष शिक्षित हो रहे है। कुलपति प्रो0 गोयल ने बताया कि इस वर्ष दीक्षांत समारोह में करीब दो लाख उपाधियां छात्रों को दी जायेगी। इसके अतिरिक्त विभिन्न विषयों के सर्वोच्च अंक

अवध विवि का 48वां स्थापना दिवस समारोह

प्राप्त 127 छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान किए जायेंगे। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय पठन-पाठन के क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करने साथ-साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति पूर्णत: लागू करने की ओर अग्रसर है। छात्रों के लिए स्किल डेवलपमेंट पर कार्य किया जा रहा है।

टूरिष्ट गाइड का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त इत्र के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। इससे आने वाले समय में विद्यार्थियों ज्यादा से ज्यादा रोजगार मिल सकेगा। कुलपति प्रो0 गोयल ने शिक्षकों को बधाई देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के संविदा शिक्षकों का प्रदेश सरकार के शासनादेश अनुरूप निरन्तरता प्रदान की गई है।

कार्यक्रम में कुलपति ने छात्र-छात्राओं से कहा कि आपके शिक्षकों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। इन्हें प्रेरित करने के लिए छात्रों को भी आगे आना होगा। इसके लिए विद्यार्थी अधिक से अधिक ज्ञान अर्जित करें और लगन के साथ पढ़ाई करते हुए शिक्षकों के प्रेरणादायक बने। कुलपति प्रो0 गोयल ने डॉ0 राममनोहर लोहिया को स्मरण करते हुए कहा कि लोहिया स्वतंत्रता सेनानी होने के साथ एक कुशल राजनीतिज्ञ व समाज सुधारक रहे है।

लोहिया जी ने कहा था कि इस देश के नागारिकों को कैसा हो चाहिए? उन्होंने कहा कि उनमें शिव जैसा ज्ञान हो। कृष्ण जैसी कला हो। प्रभ श्रीराम जैसी सत्यता और निष्ठा हो। विश्वविद्यालय के 48 वर्षों के डॉ0 लोहिया के दिखाएं हुए मार्ग पर चलते हुए विश्वविद्यालय नई ऊँचाईयों पर जाये। कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र-कल्याण प्रो0 नीलम पाठक ने विश्वविद्यालय के 48 वर्षों की शैक्षिक यात्रा का विवरण प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में कुलपति प्रो0 गोयल द्वारा विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों सम्मानित किया गया। जिसमें अरूण कुमार सिंह, रविन्द्र प्रसाद, रमेश प्रसाद, सत्यदेव, रमेश श्रीवास्तव को स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्रम, मानस ग्रन्थ व पुष्प भेटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभागाध्यक्ष प्रो0 हिमांशु शेखर सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो0 चयन कुमार मिश्र, प्रो0 आरके तिवारी, प्रो0 जसवंत सिंह, प्रो0 एसएस मिश्र, प्रो0 के0के0 वर्मा, प्रो0 एसके रायजादा, प्रो0 अशोक राय, प्रो0 फारूख जमाल, प्रो0 विनोद श्रीवास्तव, प्रो0 अनूप कुमार, प्रो0 गंगा राम मिश्रा, प्रो0 मृदुला मिश्रा, प्रो0 शैलेन्द्र वर्मा, प्रो0 शैलेन्द्र कुमार, प्रो0 सिद्धार्थ शुक्ला, सहायक कुलसचिव डॉ0 रीमा श्रीवास्तव, सहायक कुलसचिव मो0 सहील, प्रो. रमापति मिश्रा, डॉ0 पीके द्विवेदी, डॉ0 अवध बिहार सिंह, डॉ0 राजेश सिंह, डॉ0 सुरेन्द्र मिश्र, डॉ0 दिवाकर त्रिपाठी, डॉ0 अनिल कुमार, डॉ0 अभिषेक सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

अवध कमेंट वीक

दिनांक: 05 मार्च, 2023 पृष्ठ संख्या: 04

भावनात्मक जुड़ाव के साथ बुधिमत्ता का होना जरूरी : प्रो. एसएस मिश्र

विवि के गणित एवं सांख्यिकी विभाग में व्याख्यान का आयोजन

अवध कमेंट वीक

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 27 वें दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में दीक्षांत सप्ताह के तहत गणित एवं सांख्यिकी विभाग में रिलेशनशिप बिटवीन इमोशनल कोसेंट एवं मैथमेटिकल स्किल विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष प्रो0 एसएस मिश्र ने कहा कि मानव में भावनात्मक जुड़ाव के साथ बुधिमत्ता का होना बहुत जरूरी है। ऐसे व्यक्ति अच्छे इंसान माने जाते है। उन्होंने बताया कि भावनात्मक व बुद्धिमत्ता में बुद्धि, भावना तथा आध्यात्म का सुन्दर समन्वय होना चाहिए। उन्होंने बताया कि ऐसे व्यक्ति का गणितीय चिंतन अभीष्ट स्तर का होता है। इनमें स्मरण शक्ति भी साधारण लोगो के मुकाबले ज्यादा पाई जाती है। कार्यक्रम में बतौर वक्ता वरिष्ठ मनोपरामर्शदाता डॉ0 आलोक मनदर्शन ने भावनात्मक एवं गणितीय मस्तिष्क के संबंध में चर्चा करते हुए बताया कि एमीकांडला ग्रंथि भावनात्मक मस्तिष्क का द्वार है।

दीक्षांत सप्ताह के तहत आयोजित व्याख्यान

मनुष्य का मस्तिष्क दो हिस्सों में बटा होता है। भावनात्मक एवं गणितीय बाएं और दाहिने भाग में क्रमशः स्थित है। उन्होंने बताया कि शरीर की सबसे मजबूत मांसपेशी हृदय है जिसका जुड़ाव भावनात्मक है। डॉ0 मनदर्शन ने भावनात्मक बुद्धि के पांचों अवयवों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गणितीय मस्तिष्क को हमेशा भावनात्मक मस्तिष्क की जरूरत पड़ती है। इसके लिए सकारात्मक कार्य करते रहने चाहिए। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो0 चयन कुमार मिश्र द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 अभिषेक सिंह ने किया। अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन प्रो0 एसके रायजादा द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. पीके द्विवेदी, डॉ. संदीप रावत, शलिनी मिश्रा, अनामिका पाठक सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रही।

तरूणमित्र

दिनांक: 05 मार्च, 2023 पृष्ठ संख्या: 05

अवध विवि का 48 वां स्थापना दिवस धूम-धाम के साथ मनाया गया

नागरिकों में श्रीराम जैसी सत्यता व निष्ठा हो : कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय का 48 वां स्थापना दिवस धूम-धाम के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के कुशल नेतृत्व में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत कुलपति व कुलसचिव उमानाथ तथा अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो0 नीलम पाठक द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित के साथ किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम सर्वप्रथम वॉयस इंडिया की विजेता निष्ठा शर्मा व हर्षित शर्मा ने सेव वाटर सेव लाइफ के गीत ने दर्शकों गुनगुनाने को मजबूर किया। वहीं छात्र-छात्राओं द्वारा कह दू तुम्हें, क्या चुप रहूँ गीत ने श्रोताओं को मदमस्त कर दिया। इसी क्रम में आस्था त्रिपाठी द्वारा सोलो नृत्य का मनोहारी प्रस्तुति दी गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्रों द्वारा श्री गणेश देवा भक्ति गीत गाकर दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। नाट्य प्रस्तुति छात्र-छात्राओं सधे अभिनय द्वारा किया गया। समूह गायन भी छात्रों द्वारा प्रस्तुत किया गया। जिसमें बचपन तो गया जवानी भी गई। वहीं जुबैनूदीन व श्रेया द्वारा गीत प्रस्तृत की गई। नृत्य के अगले क्रम में दिवांशी सिंह ने मल्हारी नृत्य प्रस्तृत किया। बॉसुरी वादन में कार्तिक लखवानी ने सुरीली तान से मंत्रमुग्ध कर दिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय कला और ज्ञान का केन्द्र है। अवध की शान का मन्दिर है। 48 वर्षों में अवध विश्वविद्यालय पूरे क्षेत्र में ज्ञान का कुंज होकर स्थापित हो चुका है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय ने कला का दीपक व ज्ञान का प्रकाश फैलाया है वहीं विज्ञान ने इस क्षेत्र को सिचिंत किया है। विश्वविद्यालय ने पिछले वर्षो में कई प्रतिमान स्थापित किए है। हमारे खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर कई कीर्तिमान स्थापित किए है जिसमें उन्होंने 11 स्वर्ण पदक व बहुत सारे कांस्य व रजक पदक अर्जित किए है। विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा 24 शोध परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। आने वाले समय में इनकी उपब्धियां संस्थान को एक नई पहचान दिलायेंगी। कुलपति ने बताया कि अपना विश्वविद्यालय एक विशाल विश्वविद्यालय है। इसका परिक्षेत्र सात जनपदों में फैला है। इसमें करीब 750 महाविद्यालय सम्बद्ध है। करीब 7 लाख विद्यार्थी प्रतिवर्ष शिक्षित हो रहे है। कुलपति प्रो0 गोयल ने बताया कि इस वर्ष दीक्षांत समारोह में करीब दो लाख उपाधियां छात्रों को दी जायेगी। इसके अतिरिक्त विभिन्न विषयों के सर्वोच्च अंक प्राप्त 127 छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान किए जायेंगे। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय पठन-पाठन के क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करने साथ-साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति पूर्णतः लागू करने की ओर अग्रसर है। छात्रों के लिए स्किल डेवलपमेंट पर कार्य किया जा रहा है। ट्रृष्टि गाइड का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त इत्र के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। इससे आने वाले समय में विद्यार्थियों ज्यादा से ज्यादा रोजगार मिल सकेगा। कुलपति प्रो0 गोयल ने शिक्षकों को बधाई देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के संविदा शिक्षकों का प्रदेश सरकार के शासनादेश अनुरूप निरन्तरता प्रदान की गई है। कार्यक्रम में कुलपति ने छात्र-छात्राओं से कहा कि आपके शिक्षकों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। इन्हें प्रेरित करने के लिए छात्रों को भी आगे आना होगा। इसके लिए विद्यार्थी अधिक से अधिक ज्ञान अर्जित करें और लगन के साथ पढ़ाई करते हुए शिक्षकों के प्रेरणादायक बने। कुलपति प्रो0 गोयल ने डॉ0 राममनोहर लोहिया को स्मरण करते हुए कहा कि लोहिया स्वतंत्रता सेनानी होने के साथ एक कुशल राजनीतिज्ञ व समाज सुधारक रहे है। लोहिया ने कहा था कि इस देश के नागरिकों को कैसा हो चाहिए? उन्होंने कहा कि उनमें शिव जैसा ज्ञान हो। कृष्ण जैसी कला हो। प्रभु श्रीराम जैसी सत्यता और निष्ठा हो। विश्वविद्यालय के 48 वर्षों के डॉ0 लोहिया के दिखाएं हुए मार्ग पर चलते हुए विश्वविद्यालय नई ऊँचाईयों पर जाये कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र-कल्याण प्रो0 नीलम पाठक ने विश्वविद्यालय के 48 वर्षों की शैक्षिक यात्रा का विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो0 गोयल द्वारा विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों सम्मानित किया गया। जिसमें अरूण कुमार सिंह, रविन्द्र प्रसाद, रमेश प्रसाद, सत्यदेव, रमेश श्रीवास्तव को स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्रम, मानस ग्रन्थ व पुष्प भेटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभागाध्यक्ष प्रो0 हिमांशु शेखर सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो0 चयन कुमार मिश्र, प्रो0 आरके तिवारी, प्रो0 जसवंत सिंह, प्रो0 एसएस मिश्र, प्रो0 के0के0 वर्मा, प्रो0 एसके रायजादा, प्रो0 अशोक राय, प्रो0 फारूख जमाल, प्रो0 विनोद श्रीवास्तव, प्रो0 अनूप कुमार, प्रो0 गंगा राम मिश्रा, प्रो0 मृदुला मिश्रा, प्रो0 शैलेन्द्र वर्मा, प्रो0 शैलेन्द्र कुमार, प्रो0 सिद्धार्थ शुक्ला, सहायक कुलसचिव डॉ0 रीमा श्रीवास्तव, सहायक कुलसचिव मो0 सहील, प्रो. रमापति मिश्रा, डॉ0 पीके द्विवेदी, डॉ0 अवध बिहार सिंह, डॉ0 राजेश सिंह, डॉ0 सुरेन्द्र मिश्र, डॉ0 दिवाकर त्रिपाठी, डॉ0 अनिल कुमार, डॉ0 अभिषेक सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

तरूणमित्र

दिनांक: 05 मार्च, 2023 पृष्ठ संख्या: 06

भावनात्मक जुड़ाव के साथ बुधिमत्ता का होना जरूरी : प्रो. एसएस मिश्र

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 27 वें दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में दीक्षांत सप्ताह के तहत गणित एवं सांख्यिकी विभाग में रिलेशनशिप बिटवीन इमोशनल कोसेंट एवं मैथमेटिकल स्किल विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष प्रो० एसएस मिश्र ने कहा कि मानव में भावनात्मक जुड़ाव के साथ बुधिमत्ता का होना बहुत जरूरी है। ऐसे व्यक्ति अच्छे इंसान माने जाते है। उन्होंने बताया कि भावनात्मक व बुद्धिमत्ता में बुद्धि, भावना तथा आध्यात्म का सुन्दर समन्वय होना चाहिए। उन्होंने बताया कि ऐसे व्यक्ति का गणितीय चिंतन अभीष्ट स्तर का होता है। इनमें स्मरण शक्ति भी साधारण लोगो के मुकाबले ज्यादा पाई जाती है।

कार्यक्रम में बतौर वक्ता वरिष्ठ मनोपरामर्शदाता डॉ० आलोक मनदर्शन ने भावनात्मक एवं गणितीय मस्तिष्क के संबंध में चर्चा करते हुए बताया कि एमीकांडला ग्रंथि भावनात्मक मस्तिष्क का द्वार है। मनुष्य का मस्तिष्क दो हिस्सों में बटा होता है। भावनात्मक एवं गणितीय बाएं और दाहिने भाग में क्रमश: स्थित है। उन्होंने बताया कि शरीर की सबसे मजबूत मांसपेशी हृदय है जिसका जुड़ाव भावनात्मक है। डॉ० मनदर्शन ने भावनात्मक बुद्धि के पांचों अवयवों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गणितीय मस्तिष्क को हमेशा भावनात्मक मस्तिष्क की जरूरत पड़ती है। इसके लिए सकारात्मक कार्य करते रहने चाहिए। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो० चयन कुमार मिश्र द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ० अभिषेक सिंह ने किया। अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन प्रो० एसके रायजादा द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. पीके द्विवेदी, डॉ. संदीप रावत, शलिनी मिश्रा, अनामिका पाठक सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रही।

राष्ट्रीय सहारा

दिनांकः 05 मार्च, 2023 पृष्ठ संख्याः 02

सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने मन मोहा

धूमधाम से मना अवध विवि का स्थापना दिवस

अयोध्या। डा. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय का 48 वां स्थापना दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत कुलपति व कुलसचिव उमानाथ तथा अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत वॉयस इंडिया की विजेता निष्ठा शर्मा व हर्षित शर्मा ने सेव वाटर सेव लाइफ के गीत से किया। छात्र-छात्राओं ने कह दू तुम्हें, क्या चूप रहूँ गीत से श्रोताओं को मदमस्त कर दिया। आस्था त्रिपाठी ने सोलो नृत्य का मनोहारी प्रस्तुति दी। छात्रों ने श्रीगणेश देवा... भक्ति गीत गाकर दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। नाट्य प्रस्तुति छात्र-छात्राओं सधे अभिनय में किया गया। समूह गायन भी छात्रों द्वारा प्रस्तुत किया गया। जुबैनूदीन व श्रेया ने गीत प्रस्तृत किया। नृत्य के अगले क्रम में दिवांशी सिंह ने मल्हारी नृत्य प्रस्तृत किया। बॉसुरी वादन में कार्तिक लखवानी ने सुरीली तान से मंत्रमुग्ध कर दिया।

कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने कहा कि विवि ने कला का दीपक व ज्ञान का प्रकाश फैलाया है विज्ञान ने इस क्षेत्र को सिचिंत किया है। शिक्षकों के 24 शोध परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। उपब्धियां संस्थान को एक नई पहचान दिलाएगी। बताया कि इस वर्ष दीक्षांत समारोह में करीब दो लाख उपाधियां छात्रों को दी जाएगी। छात्रों के लिए स्किल डेवलपमेंट पर कार्य किया जा रहा है। डा. लोहिया को स्मरण करते हुए कहा कि लोहिया स्वतंत्रता सेनानी होने के साथ एक कुशल राजनीतिज्ञ व समाज सुधारक रहे। कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र-कल्याण प्रो. नीलम पाठक ने विश्वविद्यालय के 48 वर्षो की शैक्षिक यात्रा का विवरण प्रस्तुत किया। स्थापना दिवस पर सम्मानित होने वाले सेवानिवृत कर्मियों में अरुण कुमार सिंह, रविंद्र प्रसाद, रमेश प्रसाद, सत्यदेव, रमेश श्रीवास्तव को स्मृति चिह्न, अंगवस्त्रम, मानस ग्रंथ व पुष्प भेटकर सम्मानित किया गया। धन्यवाद ज्ञापन व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभागाध्यक्ष प्रो. हिमांशु शेखर सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रो. चयन कुमार मिश्र, प्रो. आरके तिवारी, प्रो. जसवंत सिंह, प्रो. एसएस मिश्र, प्रो. केके वर्मा, प्रो. एसके रायजादा, प्रो. अशोक राय, प्रो. फारूख जमाल, प्रो. विनोद श्रीवास्तव, प्रो. अनूप कुमार, प्रो. गंगा राम मिश्रा, प्रो. मृदुला मिश्रा, प्रो. शैलेंद्र कुमार, प्रो. विजेंदु चतुर्वेदी, प्रो. सिद्धार्थ शुक्ला, डा. अंशुमान पाठक, सहायक कुलसचिव डा. रीमा श्रीवास्तव, सहायक कुलसचिव मो. सहील, प्रो. रमापति मिश्रा, डा. पीके द्विवेदी, डा. अवध बिहार सिंह, डा. राजेश सिंह, डा. सुरेन्द्र मिश्र, डा. दिवाकर त्रिपाठी, डा. अनिल कुमार, डा. अभिषेक सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

अवध विवि के स्थापना दिवस पर सेवानिवृत्त कर्मचारी को सम्मानित करतीं कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल।

अवध गाथा

दिनांक: 05 मार्च, 2023 पृष्ठ संख्या: 03

डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय का 48 वां स्थापना दिवस धूम-धाम के साथ मनाया गया

- नागरिकों में श्रीराम जैसी सत्यता व निष्ठा हो: कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल
- विवि के स्थापना दिवस पर सेवानिवृत्त कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

अवध गाथा संवाददाता

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय का 48 वां स्थापना दिवस धूम-धाम के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के कुशल नेतृत्व में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत कुलपति व कुलसचिव उमानाथ तथा अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो0 नीलम पाठक द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित के साथ किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम सर्वप्रथम वॉयस इंडिया की विजेता निष्ठा शर्मा व हर्षित शर्मा ने सेव वाटर सेव लाइफ के गीत ने दर्शकों गुनगुनाने को मजबूर किया। वहीं छात्र-छात्राओं द्वारा कह दू तुम्हें, क्या चूप रहूँ गीत ने श्रोताओं को मदमस्त कर दिया। इसी क्रम में आस्था त्रिपाठी द्वारा सोलो नृत्य का मनोहारी प्रस्तुति दी गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्रों द्वारा श्री गणेश देवा... भक्ति गीत गाकर दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। नाट्य प्रस्तुति छात्र-छात्राओं सधे अभिनय द्वारा किया गया। समूह गायन भी छात्रों द्वारा प्रस्तुत किया गया। जिसमें बचपन तो गया जवानी भी गई। वहीं जुबैनूदीन व श्रेया द्वारा गीत प्रस्तृत की गई। नृत्य के अगले क्रम में दिवांशी सिंह ने मल्हारी नृत्य प्रस्तृत किया। बॉसुरी वादन में कार्तिक लखवानी ने सुरीली तान से मंत्रमुग्ध कर दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय कला और ज्ञान का केन्द्र है। अवध की शान का मन्दिर है। 48 वर्षों में अवध विश्वविद्यालय पूरे क्षेत्र में ज्ञान का कुॅज होकर स्थापित हो चुका है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय ने कला का दीपक व ज्ञान का प्रकाश फैलाया है वहीं विज्ञान ने इस क्षेत्र को सिचिंत किया है। विश्वविद्यालय ने पिछले वर्षो में कई प्रतिमान स्थापित किए है। हमारे खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर कई कीर्तिमान स्थापित किए है जिसमें उन्होंने 11 स्वर्ण पदक व बहुत सारे कांस्य व रजक पदक अर्जित किए है। विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा 24 शोध परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। आने वाले समय में इनकी उपब्धियां संस्थान को एक नई पहचान दिलायेंगी। कुलपति ने बताया कि अपना विश्वविद्यालय एक विशाल विश्वविद्यालय है। इसका परिक्षेत्र सात जनपदों में फैला है। इसमें करीब 750 महाविद्यालय सम्बद्ध है। करीब 7 लाख विद्यार्थी प्रतिवर्ष शिक्षित हो रहे है। कुलपति प्रो0 गोयल ने बताया कि इस वर्ष दीक्षांत समारोह में करीब दो लाख उपाधियां छात्रों को दी जायेगी। इसके अतिरिक्त विभिन्न विषयों के सर्वोच्च अंक प्राप्त 127 छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान किए जायेंगे। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय पठन-पाठन के क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करने साथ-साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति पूर्णतः लागू करने की ओर अग्रसर है। छात्रों के लिए स्किल डेवलपमेंट पर कार्य किया जा रहा है। टूरिष्ट गाइड का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त इत्र के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। इससे आने वाले समय में विद्यार्थियों ज्यादा से ज्यादा रोजगार मिल सकेगा। कुलपति प्रो0 गोयल ने शिक्षकों को बधाई देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के संविदा शिक्षकों का प्रदेश सरकार के शासनादेश अनुरूप निरन्तरता प्रदान की गई है। कार्यक्रम में कुलपति ने छात्र-छात्राओं से कहा कि आपके शिक्षकों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। इन्हें प्रेरित करने के लिए छात्रों को भी आगे आना होगा। इसके लिए विद्यार्थी अधिक से अधिक ज्ञान अर्जित करें और लगन के साथ पढ़ाई करते हुए शिक्षकों के प्रेरणादायक बने। कुलपति प्रो0 गोयल ने डॉ0 राममनोहर लोहिया को स्मरण करते हुए कहा कि लोहिया स्वतंत्रता सेनानी होने के साथ एक कुशल राजनीतिज्ञ व समाज सुधारक रहे है। लोहिया जी ने कहा था कि इस देश के नागारिकों को कैसा हो चाहिए? उन्होंने कहा कि उनमें शिव जैसा ज्ञान हो। कृष्ण जैसी कला हो। प्रभु श्रीराम जैसी सत्यता और निष्ठा हो। विश्वविद्यालय के 48 वर्षों के डॉ0 लोहिया के दिखाएं हुए मार्ग पर चलते हुए विश्वविद्यालय नई ऊॅचाईयों पर जाये। कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र-कल्याण प्रो0 नीलम पाठक ने विश्वविद्यालय के 48 वर्षो की शैक्षिक यात्रा का विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो0 गोयल द्वारा विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों सम्मानित किया गया। जिसमें अरूण कुमार सिंह, रविन्द्र प्रसाद, रमेश प्रसाद, सत्यदेव, रमेश श्रीवास्तव को स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्रम, मानस ग्रन्थ व पुष्प भेटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभागाध्यक्ष प्रो0 हिमांशु शेखर सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो0 चयन कुमार मिश्र, प्रो0 आरके तिवारी, प्रो0 जसवंत सिंह, प्रो0 एसएस मिश्र, प्रो0 के0के0 वर्मा, प्रो0 एसके रायजादा, प्रो0 अशोक राय, प्रो0 फारूख जमाल, प्रो0 विनोद श्रीवास्तव, प्रो0 अनूप कुमार, प्रो0 गंगा राम मिश्रा, प्रो0 मृदुला मिश्रा, प्रो0 शैलेन्द्र वर्मा, प्रो0 शैलेन्द्र कुमार, प्रो0 सिद्धार्थ शुक्ला, सहायक कुलसचिव डॉ0 रीमा श्रीवास्तव, सहायक कुलसचिव मो0 सहील, प्रो. रमापति मिश्रा, डॉ0 पीके द्विवेदी, डॉ0 अवध बिहार सिंह, डॉ0 राजेश सिंह, डॉ0 सुरेन्द्र मिश्र, डॉ0 दिवाकर त्रिपाठी, डॉ0 अनिल कुमार, डॉ0 अभिषेक सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

राष्ट्रीय स्वरूप

दिनांक: 05 मार्च, 2023 पृष्ठ संख्या: 04

धूमधाम से मनाया गया अवध विश्वविद्यालय का 48वां स्थापना

नागरिकों में श्रीराम जैसी सत्यता व निष्ठा हो : कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय का 48 वां स्थापना दिवस धूम-धाम के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के कुशल नेतृत्व में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत कुलपति व कुलसचिव उमानाथ तथा अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो0 नीलम पाठक द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित के साथ किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम सर्वप्रथम वॉयस इंडिया की विजेता निष्ठा शर्मा व हर्षित शर्मा ने सेव वाटर सेव लाइफ के गीत ने दर्शकों गुनगुनाने को मजबूर किया। वहीं छात्र-छात्राओं द्वारा कह दू तुम्हें, क्या चूप रहूँ गीत ने श्रोताओं को मदमस्त कर दिया। इसी क्रम में आस्था त्रिपाठी द्वारा सोलो नृत्य का मनोहारी प्रस्तुति दी गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्रों द्वारा श्री गणेश देवा... भक्ति गीत गाकर दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। नाट्य प्रस्तुति छात्र-छात्राओं सधे अभिनय द्वारा किया गया। समूह गायन भी छात्रों द्वारा प्रस्तुत किया गया। जिसमें बचपन तो गया जवानी भी गई। वहीं जुबैनूदीन व श्रेया द्वारा गीत प्रस्तुत की गई।

नृत्य के अगले क्रम में दिवांशी सिंह ने मल्हारी नृत्य प्रस्तुत किया। बाँसुरी वादन में कार्तिक लखवानी ने सुरीली तान से मंत्रमुग्ध कर दिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय कला और ज्ञान का केन्द्र है। अवध की शान का मन्दिर है। 48 वर्षों में अवध विश्वविद्यालय पूरे क्षेत्र में ज्ञान का कुंज होकर स्थापित हो चुका है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय ने कला का दीपक व ज्ञान का प्रकाश फैलाया है वहीं विज्ञान ने इस क्षेत्र को सिंचित किया है। विश्वविद्यालय ने पिछले वर्षों में कई प्रतिमान स्थापित किए है। हमारे खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर कई कीर्तिमान स्थापित किए है जिसमें उन्होंने 11 स्वर्ण पदक व बहुत सारे कांस्य व रजक पदक अर्जित किए है। विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा 24 शोध परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। आने वाले समय में इनकी उपब्धियां संस्थान को एक नई पहचान दिलायेंगी। कुलपति ने बताया कि अपना विश्वविद्यालय एक विशाल विश्वविद्यालय है। इसका परिक्षेत्र सात जनपदों में फैला है। इसमें करीब 750 महाविद्यालय सम्बद्ध है। करीब 7 लाख विद्यार्थी प्रतिवर्ष शिक्षित हो रहे है।

बीएनटी

दिनांक: 05 मार्च, 2023 **पृष्ठ संख्या: 00**

स्थापना दिवस — अवध विश्वविद्यालय का 48 वां स्थापना दिवस धूम-धाम के साथ मनाया गया

नागरिकों में श्रीराम जैसी सत्यता व निष्ठा हो: कुलपति प्रो प्रतिभा गोयल

अयोध्या(बीएनटी संवाददाता)। डॉ राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय का 48 वां स्थापना दिवस धूम-धाम के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल के कुशल नेतृत्व में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत कुलपति व कुलसचिव उमानाथ तथा अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक द्वारा मॉं सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित के साथ किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम सारेगामा लिटिल इंडिया की विजेता निष्ठा शर्मा व हर्षित शर्मा ने सेव वाटर सेव लाइफ के गीत ने दर्शकों गुनगुनाने को मजबूर किया। वहीं छात्र-छात्राओं द्वारा कह दू तुम्हें, क्या चुप रहूँ गीत ने श्रोताओं को मदमस्त कर दिया। इसी क्रम में आस्था त्रिपाठी द्वारा सोलो नृत्य का मनोहारी प्रस्तुति दी गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्रों द्वारा श्री गणेश देवा भक्ति गीत गाकर दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। नाट्य प्रस्तुति छात्र-छात्राओं सर्पे अभिनय द्वारा किया गया। समूह गायन भी छात्रों द्वारा प्रस्तुत किया गया। जिसमें बचपन तो गया जवानी भी गई। वहीं जुबिनुद्दीन व श्रेया द्वारा गीत प्रस्तुत की गई। नृत्य के अगले क्रम में दिव्यांशी सिंह ने भरतारी नृत्य प्रस्तुत किया। बॉंसुरी वादन में कार्तिक लखवानी ने सुरीली तान से मंत्रमुग्ध कर दिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय कला और ज्ञान का केन्द्र है। अवध की शान का मन्दिर है। 48 वर्षों में अवध विश्वविद्यालय पूरे क्षेत्र में ज्ञान का पुंज होकर स्थापित हो चुका है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय ने कला का दीपक व ज्ञान का प्रकाश फैलाया है वहीं विज्ञान ने इस क्षेत्र को सिंचित किया है। विश्वविद्यालय ने पिछले वर्षों में कई प्रतिमान स्थापित किए है। हमारे खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर कई कीर्तिमान स्थापित किए है जिसमें उन्होंने 11 स्वर्ण पदक व बहुत सारे कांस्य व रजत पदक अर्जित किए है। विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा 24 शोध परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। आने वाले समय में इसकी उपलब्धियां संस्थान को एक नई पहचान दिलायेंगी। कुलपति ने बताया कि अपना विश्वविद्यालय एक विशाल विश्वविद्यालय है। इसका परिक्षेत्र सात जनपदों में फैला है। इसमें करीब 750 महाविद्यालय सम्बद्ध है। करीब 7 लाख विद्यार्थी प्रतिवर्ष शिक्षित हो रहे है। कुलपति प्रो0 गोयल ने बताया कि इस वर्ष दीक्षांत समारोह में करीब दो लाख उपाधियां छात्रों को दी जायेगी। इसके अतिरिक्त विभिन्न विषयों के सर्वोच्च अंक प्राप्त 127 छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान किए जायेंगे। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय पठन-पाठन के क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करने साथ-साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति पूर्णतः लागू करने की ओर अग्रसर है। छात्रों के लिए स्किल डेवलपमेंट पर कार्य किया जा रहा है। दृष्टि गाइड का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त इस के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। इससे आने वाले समय में विद्यार्थियों ज्यादा से ज्यादा रोजगार मिल सकेगा। कुलपति प्रो0 गोयल ने शिक्षकों को बधाई देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के संविदा शिक्षकों का प्रदेश सरकार के शासनादेश अनुरूप निरन्तरता प्रदान की गई है। कार्यक्रम में कुलपति ने छात्र-छात्राओं से कहा कि आपके शिक्षकों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। इन्हें प्रेरित करने के लिए छात्रों को भी आगे आना होगा। इसके लिए विद्यार्थी अधिक से अधिक ज्ञान अर्जित करें और लगन के साथ पढ़ाई करते हुए शिक्षकों के प्रेरणादायक बने। कुलपति प्रो0 गोयल ने डॉ राममनोहर लोहिया को स्मरण करते हुए कहा कि लोहिया स्वतंत्रता सेनानी होने के साथ एक कुशल राजनीतिज्ञ व समाज सुधारक रहे है। लोहिया जी ने कहा था कि इस देश के नागरिकों को कैसा हो चाहिए। उन्होंने कहा कि उसमें शिव जैसा ज्ञान हो। कृष्ण जैसी कला हो। प्रभु श्रीराम जैसी सत्यता और निष्ठा हो। विश्वविद्यालय के 48 वर्षों के डॉ0 लोहिया के दिखाए हुए मार्ग पर चलते हुए विश्वविद्यालय नई ऊॅंचाईयों पर जाये। कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो0 नीलम पाठक ने विश्वविद्यालय के 48 वर्षों की शैक्षिक यात्रा का विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो0 गोयल द्वारा विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों सम्मानित किया गया। जिसमें अरुण कुमार सिंह, रविन्द्र प्रसाद, रमेश प्रसाद, सत्यदेव, रमेश श्रीवास्तव को स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्रम, मानस ग्रन्थ व पुष्प भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन व्यवस्थापक प्रबंध एवं उद्यमिता विभागाध्यक्ष प्रो0 हिमांशु शेखर सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो0 चयन कुमार मिश्र, प्रो0 आरके तिवारी, प्रो0 जसवंत सिंह, प्रो0 एसएस मिश्र, प्रो0 के0के0 वर्मा, प्रो0 एसके रायजादा, प्रो0 अशोक राय, प्रो0 फारूख जमाल, प्रो0 विनोद श्रीवास्तव, प्रो0 अनूप कुमार, प्रो0 गंगा राम मिश्रा, प्रो0 मृदुला मिश्रा, प्रो0 शैलेन्द्र वर्मा, प्रो0 शैलेन्द्र कुमार, प्रो0 सिद्धार्थ शुक्ला, सहायक कुलसचिव डॉ0 रीमा श्रीवास्तव, सहायक कुलसचिव मो0 सहील, सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।